प्रश्नकोश

1. 'बाबरनामा' का अंग्रेजी अनुवाद किसने किया?

(a) लेडेन और रस्किन (b) विलियम हॉकिंस

(c) फिंच (d) विलियम जॉस

U.P. R.O/A.R.O. (Mains) 2017

उत्तर—(a)

'तुजुक-ए-बाबरी' को बाबर ने अपनी मातृभाषा तुर्की में लिखा था, इसका फारसी अनुवाद 'बाबरनामा' है। पायन्दा खां और अब्दुर्रहीम खानखाना ने फारसी में इसका अनुवाद किया, जबकि बाबरनामा का अंग्रेजी में अनुवाद जॉन लेडेन और विलियम रस्किन ने किया था।

2. गुलबदन बेगम पुत्री थी—

(a) बाबर की (b) हुमायूं की

(c) शाहजहां की (d) औरंगजेब की

U.P. P.C.S. (Pre) 2004

U.P. Lower Sub. (Pre) 2004

उत्तर—(a)

गुलबदन बेगम बाबर की पुत्री थी। उसका जन्म 1523 ई. में तथा मृत्यु 1603 ई. में हुई थी। उसने अपनी प्रसिद्ध रचना 'हुमायूंनामा' में ऐतिहासिक विवरण लिखे। अकबर उसका बहुत सम्मान करता था। गुलबदन बेगम ने स्वयं लिखा है कि उसने अकबर के आदेश पर बाबर और हुमायूं का इतिहास अपनी स्मृति से लिखा था। गुलबदन बेगम ने अपनी इस रचना में हुमायूं और कामरान के मध्य युद्ध का भी वर्णन किया है।

3. मुगलकाल में निम्नलिखित में से किस महिला ने ऐतिहासिक विवरण लिखे?

(a) गुलबदन बेगम (b) नूरजहां बेगम

(c) जहांआरा बेगम (d) जेबुन्निसां बेगम

I.A.S. (Pre) 1994

U.P. P.C.S. (Pre) 1998

उत्तर—(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

4. 'हुमायूंनामा' की रचना किसने की थी?

(a) बाबर (b) हुमायूं

(c) गुलबदन बेगम (d) जहांगीर

42nd B.P.S.C. (Pre) 1997

U.P. P.C.S. (Pre) 2004

Uttarakhand P.C.S. (Pre) 2010

U.P.P.C.S. (Mains) 2002

उत्तर—(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

5. **'हुमायूंनामा' की रचना किसने की?**
(a) बदायूं
(b) अबुल फजल
(c) अहमद यादगार
(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Jharkhand P.S.C. (Mains) 2016

उत्तर–(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

6. **दिल्ली का वह शिक्षा केंद्र जो मदरसा-ए-बेगम कहलाता था, किसके द्वारा स्थापित किया गया था?**
(a) गुलबदन बेगम (b) माहम अनगा
(c) जिया उन्निसा (d) जीनत उन्निसा

U.P. P.C.S. (Mains) 2012

उत्तर–(b)

माहम अनगा ने दिल्ली में पुराने किले के सामने 'खैरुल मनजिल' अथवा 'खैर-उल मनजिल' नामक मदरसे की स्थापना कराई थी, जिसे 'मदरसा-ए-बेगम' भी कहा जाता था।

7. **दिल्ली में पुराना किला के सामने 'खैरुल मनजिल' नामक मस्जिद का निर्माण किसने करवाया था?**
(a) हमीदा बानू बेगम
(b) सलीमा सुल्तान
(c) जीजी अंगा
(d) माहम अनगा

U.P.P.C.S. (Pre) 2018

उत्तर–(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

8. **निम्नलिखित में से किसने 'हितोपदेश' का फारसी में अनुवाद किया था?**
(a) दारा शिकोह (b) फैज़ी
(c) अब्दुल कादिर बदायूंनी (d) ताजुल माली

U.P.P.C.S. (Mains) 2013

उत्तर–(d)

संस्कृत ग्रंथ हितोपदेश का फारसी भाषा में अनुवाद 'ताज-अल-दिन मुफ्ती अल मलीकी' द्वारा 'मुफरिह-अल-कुबाल' नाम से किया गया था। ताज-अल-दिन मुफ्ती अल मलीकी को ही त्रुटि वश कुछ पुस्तकों में ताजुल माली लिखा गया है।

9. **सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा सूचियों के नीचे दिए गए कूट का प्रयोग करते हुए सही उत्तर का चयन कीजिए–**

सूची-I	सूची-II
A. हसन निज़ामी	1. आलमगीरनामा
B. ख्वांदमीर	2. नुश्खा-ए-दिलकुशा
C. मुहम्मद काज़िम	3. हुमायूंनामा
D. भीमसेन	4. ताजुल मासिर

कूट :

	A	B	C	D
(a)	4	3	1	2
(b)	3	2	4	1
(c)	2	4	3	1
(d)	1	3	2	4

U. P. P. C. S. (Mains) 2003

उत्तर–(a)

सही सुमेलन इस प्रकार है –

सूची-I	सूची-II
हसन निज़ामी	ताजुल मासिर
ख्वांदमीर	हुमायूंनामा
मुहम्मद काज़िम	आलमगीरनामा
भीमसेन	नुश्खा-ए-दिलकुशा

ख्वांदमीर ने कानून-ए-हुमायूंनी नामक पुस्तक लिखी थी, जिसे हुमायूंनामा के नाम से भी जाना जाता है।

10. **सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर चुनिए–**

सूची-I	सूची-II
A. मुल्ला दाउद	1. चांदायन
B. दामोदर कवि	2. आशिका
C. सोमनाथ	3. पद्मावती कथा
D. अमीर खुसरो	4. राग विबोध

कूट :

	A	B	C	D
(a)	1	3	2	4
(b)	1	3	4	2
(c)	2	4	1	3
(d)	1	2	3	4

U.P.P.C.S. (Pre) 2019

उत्तर–(b)

Scanned with OKEN Scanner

सही सुमेलन इस प्रकार है–

सूची-I	सूची-II
मुल्ला दाउद	चांदायन
दामोदर कवि	राग विबोध
सोमनाथ	पद्मावती कथा
अमीर खुसरो	आशिका

11. सुमेलित करें पुस्तकों के नाम को उनके लेखकों से और निम्न के कूट में से सही उत्तर का चयन करें–

सूची-I (पुस्तक)	सूची-II (लेखक)
A. आलमगीर नामा	1. मुअतमद खां
B. तबकाते अकबरी	2. मिर्जा मोहम्मद काज़िम
C. चहार चमन	3. चन्द्रभान ब्रह्मन
D. इकबालनामा जहांगीरी	4. निज़ामउद्दीन अहमद

कूट :

	A	B	C	D
(a)	1	3	4	2
(b)	3	2	1	4
(c)	4	1	2	3
(d)	2	4	3	1

R.A.S./R.T.S. (Pre) 2013

उत्तर–(d)

सही सुमेलन इस प्रकार है–

आलमगीर नामा	मिर्जा मोहम्मद काज़िम
तबकाते अकबरी	निज़ामउद्दीन अहमद
चहार चमन	चंद्रभान ब्रह्मन
इकबालनामा जहांगीरी	मुअतमद खां (मोतमिद खां)

12. तबकात-ए-अकबरी किसने लिखी थी?

(a) अबुल फजल (b) अब्दुल कादिर बदायूंनी
(c) अब्बास खान सरवानी (d) निजामुद्दीन अहमद

Uttarakhand P.C.S. (Pre) 2016

उत्तर–(d)

ख्वाजा निजामुद्दीन अहमद ने 'तबकात-ए-अकबरी' की रचना की, जिसे 'तारीख-ए-निजामी' भी कहते हैं।

13. निम्न मुसलमान विद्वानों में से हिंदी साहित्य के लिए किसका सबसे महत्वपूर्ण योगदान है?

(a) अबुल फजल (b) फैजी
(c) अब्दुर्रहीम खानखाना (d) अब्दुल कादिर बदायूंनी

R.A.S./R.T.S. (Pre) 1994

उत्तर–(c)

अकबर के सफल प्रशासन, सहिष्णु नीति एवं संतुलित मनोवृत्ति तथा तत्कालीन अनुकूल वातावरण ने हिंदी को पनपने का ऐसा सुअवसर प्रदान किया कि अकबर का काल 'हिंदी काव्य का स्वर्णकाल' कहलाने लगा। इस युग में हिंदी केवल हिंदुओं की ही धरोहर नहीं थी, अपितु इस पर मुसलमानों का भी सम्यक् अधिकार था। फारसी, अरबी, तुर्की, संस्कृत, हिंदी तथा राजस्थानी के मर्मज्ञ अब्दुर्रहीम खानखाना इन सब में मुखर स्थान रखते हैं। हिंदी काव्य का कोई भी इतिहास खानखाना के सम्मान के उल्लेख के बिना अधूरा है। उनका प्रसिद्ध ग्रंथ ''रहीम सतसई'' दोहों का संग्रह है।

14. भारत के इतिहास के संदर्भ में अब्दुल हमीद लाहौरी कौन थे?

(a) अकबर के शासन में एक महत्वपूर्ण सैन्य कमांडर
(b) शाहजहां के शासन का एक राजकीय इतिहासकार
(c) औरंगजेब का एक महत्वपूर्ण सामंत तथा विश्वासपात्र
(d) मुहम्मद शाह के शासन में एक इतिवृत्तकार तथा कवि

I.A.S. (Pre) 2006

उत्तर–(b)

अब्दुल हमीद लाहौरी शाहजहां के शासनकाल का एक राजकीय इतिहासकार था। उसने अपनी पुस्तक 'पादशाहनामा' (Padshahnama) में शाहजहां कालीन इतिहास का वर्णन किया है।

15. शाहजहांनामा के लेखक कौन हैं?

(a) गुलबदन बेगम (b) शाहजहां
(c) अब्दुल हमीद लाहौरी (d) इनायत खां
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Chhattisgarh P.C.S. (Pre) 2015

उत्तर–(d)

'शाहजहांनामा' पुस्तक के लेखक इनायत खां हैं।

16. निम्नलिखित युग्मों में से कौन-सा एक सुमेलित है?

(a) बाबर	तुजुक-ए-बाबरी
(b) हुमायूं	हुमायूंनामा
(c) शेरशाह	तारीखे शेरशाही
(d) अकबर	तबकाते अकबरी

U.P.P.C.S. (Mains) 2009

उत्तर–(a)

उक्त विकल्पों में विकल्प (a) सही सुमेलित है। तुजुक-ए-बाबरी, बाबर की प्रसिद्ध कृति है, जो तुर्की भाषा में लिखी गई है। हुमायूंनामा-गुलबदन बेगम ने और तारीखे शेरशाही-अब्बास खां सरवानी ने लिखा है, जबकि तबकाते अकबरी की रचना निजामुद्दीन अहमद ने की है, जो फारसी भाषा में लिखित है।

17. निम्नलिखित में से कौन-सा सही सुमेलित नहीं है?

(पुस्तकें)	(लेखक)
(a) तबकात-ए-नासिरी	मिनहाज-उस-सिराज-जसजानी
(b) तारीख-ए-फिरोजशाही	शम्स-ए-सिराज-अफीफ
(c) तुगलकनामा	इब्नबतूता
(d) हुमायूंनामा	गुलबदन बेगम

U.P.P.C.S. (Pre) 2019

उत्तर–(c)

'तुगलकनामा' का लेखक अमीर खुसरो था, जबकि इब्नबतूता ने अपना यात्रा-वृत्तांत 'रेहला' पुस्तक में लिखा था। अन्य प्रश्नगत पुस्तकें एवं उनके लेखकों के युग्म सही सुमेलित हैं।

18. 'अनवर-ए-सुहेली' नामक ग्रंथ निम्नलिखित में किसका अनुवाद है?

(a) पंचतंत्र (b) महाभारत
(c) रामायण (d) सूरसागर

U.P. P.C.S. (Pre) 1999

उत्तर–(a)

'अनवर-ए सुहेली' के नाम से पंचतंत्र का अनुवाद मुल्ला हुसैन वाइज काशिफी ने किया था। जबकि 'आयर-ए-दानिश' के नाम से पंचतंत्र का अनुवाद अबुल फजल ने किया था।

19. किसके राज्यकाल में 'योगवशिष्ठ' का निजामुद्दीन पानीपति द्वारा फारसी में अनुवाद किया गया?

(a) अकबर (b) हुमायूं
(c) शाहजहां (d) औरंगजेब

I.A.S. (Pre) 2022

उत्तर–(a)

योग वशिष्ठ का फारसी अनुवाद मुगल बादशाह अकबर के काल में 'निजामुद्दीन पानीपति' द्वारा किया गया था।

20. अबुल फजल द्वारा 'अकबरनामा' पूरा किया गया था–

(a) सात वर्षों में
(b) आठ वर्षों में
(c) नौ वर्षों में
(d) दस वर्षों में

U.P.P.C.S. (Pre) 2014

उत्तर–(a)

'अकबरनामा', अकबर के नवरत्नों में से एक अबुल फजल द्वारा वर्ष 1590 से 1596 ई. के बीच उसके शासनकाल के आधिकारिक वृत्तांत के रूप में लिखा गया था। कुछ पुस्तकों में अकबरनामा पूर्ण करने का वर्ष 7 से अधिक भी (12 या 13 वर्ष) बताया गया है। यही कारण है कि उ.प्र. लोक सेवा आयोग ने इस प्रश्न को मूल्यांकन से बाहर कर दिया था।

21. 'आइन-ए-अकबरी' किसके द्वारा लिखी गई थी?

(a) अब्दुल कादिर
(b) अकबर
(c) ख्वाजा निजामुद्दीन
(d) अबुल फजल
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

67th B.P.S.C. (Pre) 2022

उत्तर–(d)

'आइन-ए-अकबरी' अकबर के नवरत्नों में से एक अबुल फजल द्वारा लिखी गई है। यह 'अकबरनामा' के तीन भागों में से तीसरा भाग है। इसमें अकबर कालीन शासन व्यवस्था का आधिकारिक वृत्तांत है।

22. मुगलकाल में दरबारी भाषा थी–

(a) अरबी (b) तुर्की
(c) फारसी (d) उर्दू

U.P. P.C.S. (Mains) 2012

उत्तर–(c)

मुगलकाल में दरबारी भाषा फारसी थी। अकबर द्वारा स्थापित अनुवाद विभाग में संस्कृत, अरबी, तुर्की आदि भाषाओं की अनेक कृतियों का अनुवाद फारसी भाषा में किया गया।

23. मुगलों की अदालत में भाषा थी–

(a) तुर्की (b) फारसी
(c) उर्दू (d) अरबी

M.P. P.C.S. (Pre) 1991

उत्तर–(b)

फारसी मुगलों की राजभाषा थी। राजकाज से संबंधित सभी कार्य फारसी में ही संपन्न होते थे। वस्तुतः भारत में फारसी साहित्य का विकास मुस्लिम विजेताओं के आगमन से प्रारंभ हुआ। यह प्रारंभ में शासक वर्ग तथा अमीर वर्ग की भाषा थी और इसको उन्हीं का संरक्षण भी प्राप्त था।

24. मुगलकालीन ग्रंथ 'मासिर-ए-आलमगीरी' किसकी रचना है?

(a) साकी मुस्तैद खां (b) हातिम खां
(c) काजिम शिराजी (d) खफी खां

M.P.P.C.S. (Pre) 2020

उत्तर–(a)

मुगलकालीन ग्रंथ 'मासिर-ए-आलमगीरी' की रचना साकी मुस्तैद खां ने की है। फारसी भाषा में लिखित इस ग्रंथ से औरंगजेब के शासनकाल का विवरण प्राप्त होता है।

Scanned with OKEN Scanner

25. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए–

सूची - I	सूची -II
A. भीमसेन कायस्थ	1. चहार चमन
B. चंद्रभान ब्रह्मन	2. फुतूहात-ए-आलमगीरी
C. ईश्वरदास नागर	3. खुलासत-उत-तवारीख
D. सुजानराय भंडारी	4. तारीख-ए-दिलकुशा

कूट :

	A	B	C	D
(a)	1	2	3	4
(b)	2	3	4	1
(c)	3	4	1	2
(d)	4	1	2	3

U.P.P.C.S. (Mains) 2017

उत्तर–(d)

सही सुमेलन है–

भीमसेन कायस्थ	तारीख-ए-दिलकुशा
चंद्रभान ब्रह्मन	चहार चमन
ईश्वरदास नागर	फुतूहात-ए-आलमगीरी
सुजानराय भंडारी	खुलासत-उत-तवारीख

26. नस्तालीक है–

(a) एक प्रकार की फारसी लिपि, जो मध्यकालीन भारत में प्रयुक्त होती थी।

(b) एक राग जिसकी रचना तानसेन ने की थी।

(c) मुगल शासकों द्वारा उद्ग्रहीत एक उपकर।

(d) उलेमाओं के लिए एक आचार संहिता।

I.A.S. (Pre) 1996

उत्तर–(a)

'नस्तालीक' एक फारसी लिपि है, जो मध्यकालीन भारत में प्रयुक्त होती थी। मुगल बादशाह औरंगजेब नस्तालीक तथा शिकस्त लिखने में निपुण था।

27. कवि हृदय राजा जिसने नागरीदास के नाम से कृष्ण की प्रशंसा में छंद लिखे–

(a) राजा उमेद सिंह थे।

(b) राजा राम सिंह थे।

(c) राजा छत्रसाल थे।

(d) राजा सावंत सिंह थे।

U.P.P.C.S. (Mains) 2004
U.P.P.S.C. (GIC) 2010

उत्तर–(d)

अजमेर की किशनगढ़ रियासत के राजा सावंत सिंह (17वीं-18वीं शती) का अन्य नाम नागरीदास (राधा का सेवक) था। इन्होंने ही कृष्ण की प्रशंसा में अनेक छंद लिखे।

28. निम्नलिखित में से किस एक ने महत्वपूर्ण कृतियां 'रामचंद्रिका' एवं 'रसिकप्रिया' की रचना की थी?

(a) केशव (b) मतिराम

(c) रसखान (d) सेनापति

U.P. P.C.S. (Spl.) (Mains) 2008

उत्तर–(a)

'रामचंद्रिका' एवं 'रसिकप्रिया' हिंदी कविता के रीतिकालीन कवि केशवदास (1555-1617 ई.) की रचनाएं हैं।

मुगल काल : विविध

नोट्स

*मध्यकाल में प्रचलित पाठ्यक्रम को ध्यान में रखते हुए मुल्ला निजामुद्दीन सिहालवी ने 18वीं शताब्दी में 'दर्स-ए-निजामी' निश्चित किया तथा उनके अनुसार यह पाठ्यक्रम भारत में मुसलमानों के शासन के आरंभ से प्रचलित था। *इस पाठ्यक्रम के अंतर्गत ग्यारह विषय थे तथा प्रत्येक विषय के लिए अलग-अलग पुस्तकें थीं। *मुगलकाल में शाह वली उल्ला के मदरसा में हदीस (परंपराओं) तथा तफसीर (टीकाओं) पर और लखनऊ के फिरंगीमहल में फ़िक़ (न्याय शास्त्र) के अध्ययन पर विशेष बल दिया जाता था। *धर्मशास्त्र के विशेषज्ञ को 'आलिम' तथा साहित्य के विशेषज्ञ को 'काबिल' की उपाधियों से विभूषित किया जाता था।

***हेमू** अथवा **हेमराज** मध्य-युग के इतिहास में एक विशेष स्थान रखता है। *तत्कालीन स्रोतों में हेमू को बक्काल कहा गया है। मध्यकाल में भारत में सभी व्यापारियों को बक्काल कहा जाता था। कुछ स्रोतों के अनुसार हेमू वैश्य था, जबकि कुछ के अनुसार हेमू जाति का धूसर या भार्गव था, जो अपने को गौड़ ब्राह्मण कहते थे। उसने अपना जीवन रेवाड़ी में शोरे के व्यापारी के रूप में आरंभ किया। उसके बाद इस्लामशाह ने उसे अपनी सेवा में लिया था और आदिलशाह के समय में उसका सम्मान और पद बढ़ा। *आदिलशाह ने उसकी सैनिक प्रतिभा से संतुष्ट होकर उसे अपना वजीर और सेनापति बना लिया। *आदिलशाह के विरोधियों के विरुद्ध उसने 22 युद्धों में सफलता प्राप्त की। *दिल्ली में तरदी बेग के विरुद्ध विजय प्राप्त करने के पश्चात उसने **'विक्रमादित्य'** या 'विक्रमजीत' की उपाधि धारण की। बदायूंनी एवं निजामुद्दीन अहमद के अनुसार, हेमू ने विक्रमजीत की उपाधि धारण की थी।

Scanned with OKEN Scanner